**काउंटर-नैरेटिव्स - एमएचआई कॉन्फ्रेंस**

**आयोजक:**

**मारीवाला हेल्थ इनिशिएटिव (MHI)**

**सहयोग में:**

के.सी. कॉलेज, मुंबई के समाजशास्त्र और मनोविज्ञान विभाग और स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स एंड लिबरल स्टडीज, एचएसएनसी यूनिवर्सिटी

**तारीख:** 7 और 8 फरवरी 2025

**थीम:**

**हाशिए पर रहने वाले समुदायों का मानसिक स्वास्थ्य: हिन्दुस्तान के नज़रिये से**

**<u>पोस्टरों के एब्स्ट्रैक्ट (सारांश) के लिए आमंत्रण</u>**

**प्रस्तावना**

काउंटर-नैरेटिव्स (मुख्यधारा को चुनौती देने वाली कथाएं), मारीवाला हेल्थ इनिशिएटिव (MHI) का कॉन्फ्रेंस सीरीज़ (सम्मेलन श्रृंखला), 2025 में शुरू हो रहा है! इस श्रृंखला का पहला सम्मेलन '**हाशिए पर रहने वाले समुदायों का मानसिक स्वास्थ्य: हिन्दुस्तान के नज़रिये से**' 7 और 8 फरवरी 2025 को के.सी. कॉलेज, चर्चगेट, मुंबई में आयोजित होगा।

मारीवाला हेल्थ इनिशिएटिव हर्ष मारीवाला द्वारा स्थापित, एक क्षमता-विकास, वकालत (एडवोकेसी) और अनुदान प्रदान करने वाली संस्था है, जो हाशिए पर रहने वाले व्यक्तियों और समुदायों के मानसिक स्वास्थ्य तक पहुंच सुनिश्चित करने और उसे प्राथमिकता देने पर केंद्रित है।

हम अकादमिक क्षेत्र में अपना काम बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं ताकि ऐसे शोधकर्ताओं के साथ जुड़ सकें जो हाशिये पर रहने वाले समुदायों में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर काम कर रहे हैं। MHI सामाजिक न्याय के लिए काम कर रहा है और मुख्य धारणाओं को चुनौती देने का उद्देश्य है। एमएचआई का यह भी उद्देश्य है कि हाशिये पर रहने वाले लोगों की आवाज़ों को सामने लाना है। ऐसी कहानियां सामने लाना चाहता है जो मुख्य धारणाओं से अलग हो – उन लोगों के वास्तविक अनुभवों पर आधारित हो जो असमानता और उत्पीड़न झेलते आ रहे हैं।

मारीवाला हेल्थ इनिशिएटिव अपनी स्थिति में अद्वितीय है, क्योंकि यह केवल एक अनुदान प्रदान करने वाला संगठन ही नहीं है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र में एक आंदोलन और विचारधारा का नेतृत्व भी करता है। MHI एक ऐसा अकेला संस्थान है जो सिर्फ अनुदान देने का काम नहीं करता, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक आंदोलन और विचारधारा पैदा करने की नेतृत्व भी करता है। MHI अपने काम में ज्ञान निर्माण, संवाद, और जानकारी फैलाने को भी शामिल करता है। हम अपने सभी कामों में हाशिये के अनुभवों को केंद्र में रखते हैं और मुख्य धारणाओं को गहराई से परखने की कोशिश करते हैं।

यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, कार्यकर्ताओं, और विशेषज्ञ के लिए एक मंच प्रदान करेगा ताकि हाशिए पर रहने वाले समुदायों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जा सके और समाधान खोजा जा सके।

---

**हाशिये पर रहने वाले समुदायों का मानसिक स्वास्थ्य**

साक्ष्य और साहित्य यह बताते हैं कि हिन्दुस्तान में जाति, लिंग, जेंडर, धर्म/मज़हब, यौनिकता/लैंगिकता, आदिवासी पहचान, और क्षमता के कारण हाशिये पर रहने वाले समुदाय मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से असमान रूप से असर पड़ता है। यह दर्शाता है कि मानसिक स्वास्थ्य में असमानताएँ सामाजिक असमानताओं और विकासात्मक असमानताओं का प्रतिफल हैं। हमारे उद्घाटन सम्मेलन में, हम इन सामाजिक और विकासात्मक असमानताओं और हाशिये पर रहने वाले समुदायों के मानसिक स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव को उजागर करना चाहते हैं, और उनके अनुभवों को प्रमुखता से प्रस्तुत करना चाहते हैं।

**एब्स्ट्रैक्ट (सारांश) जमा करने के दिशा-निर्देश**

1. हम निम्नलिखित मुख्य विषयों के तहत पोस्टरों के लिए एब्स्ट्रैक्ट (सारांश) आमंत्रित करते हैं*:

    - ट्रांसजेंडर और क्वीयर समुदायों का मानसिक स्वास्थ्य
    - हाशिए पर रहने वाली जाति और आदिवासी समुदायों का मानसिक स्वास्थ्य
    - अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों का मानसिक स्वास्थ्य
    - मानसिक स्वास्थ्य और विकलांगता

**ध्यान दें**:

MHI में इंटरसेक्शनलिटी (अंतरसंबंधता) की गहरी समझ के साथ काम करते हैं। **इंटरसेक्शनलिटी** का मतलब है कि अलग-अलग पहचानें, जैसे जाति, जेंडर, धर्म/मज़हब, वर्ग, आदि, आपस में मिलकर एक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं। यह समझने में मदद करता है कि कैसे इन पहचानें के कारण कोई व्यक्ति अलग-अलग तरह की मुश्किलों का सामना करता है। यदि आपका कार्य इनमें से एक से अधिक विषयों से जुड़ा है, तो वह थीम चुनें जो आपके काम के लिए सबसे उपयुक्त हो।

2. हालाँकि हमारे थीम/विषय अलग-अलग हैं, हम समझते हैं कि एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उदाहरण के लिए, हाशिये पर रहने वाले समुदायों पर किए गए शोध कैसे वकालत और पाठ्यक्रम विकास को प्रभावित करते हैं, और यह कैसे चिकित्सीय अभ्यास और क्लिनिकल काम को भी प्रभावित करता है। MHI में, हम मानते हैं कि ये सभी क्षेत्र एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हमारा उद्देश्य इन क्षेत्रों के बीच के रिश्ते को समझाना है, ताकि यह काम अलग-अलग और अकेले न किया जाए। हम यह भी दिखाना चाहते हैं कि इन कामों का मिलकर सामाजिक न्याय के लक्ष्यों को कैसे बढ़ावा मिलता है।

   **हम दो प्रकार के एब्स्ट्रैक्ट स्वीकार करेंगे**:

   - **शैक्षणिक एब्स्ट्रैक्ट**: अनुसंधान अध्ययनों (साहित्य समीक्षाओं, संरचनाओं की समीक्षाओं/मेटा-विश्लेषण सहित), टिप्पणियों, शिक्षा और प्रशिक्षण (पाठ्यक्रम विकास सहित) पर केंद्रित एब्स्ट्रैक्ट्स।
   - **पेशेवर/प्रैक्टिस एब्स्ट्रैक्ट**: चिकित्सीय (थेरेप्यूटिक/क्लिनिकल) कार्य, कार्यक्रमों, हस्तक्षेपों, सक्रियता (अभियानों/आंदोलनों सहित), एडवोकेसी (नीति कार्यान्वयन सहित) पर केंद्रित एब्स्ट्रैक्ट्स।

*कृपया वह विषय और थीम चुनें जो आपके काम के लिए सबसे उपयुक्त हो।

3. **उप-विषय के उदाहरण** (कृपया ध्यान दें कि यह सूची पूरी नहीं है, और इसे उदाहरण के रूप में साझा किया जा रहा है):
   - मानसिक स्वास्थ्य के संरचनात्मक निर्धारक
   - उपचार, देखभाल और सुधार
   - देखभाल तक पहुँच में रुकावटें

- वर्तमान मानसिक स्वास्थ्य स्थिति पर आलोचना
- जैवचिकित्सीय मानसिक स्वास्थ्य मॉडलों पर आलोचना
- मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लिए डिजिटल समाधान (आलोचनाएँ सहित)
- मानसिक स्वास्थ्य सक्रियता
- मानसिक स्वास्थ्य और कारावास
- वर्तमान कब्जे (उपनिवेशवाद) या नरसंहार में मानसिक स्वास्थ्य
- मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरोडाइवर्जेंस
- मानसिक स्वास्थ्य और प्रजनन न्याय
- मानसिक स्वास्थ्य, खाद्य/आवास असुरक्षा और गरीबी

4. हाशिए पर रहने वाले समुदायों से जुड़े शोधकर्ता, कार्यकर्ता, विशेषज्ञ और नीति-निर्माता विशेष रूप से आमंत्रित हैं। **<u>प्रस्तुत की गई सभी सामग्री इससे पहले प्रकाशित न की गई।</u>**

5. **कृपया ध्यान दें**:
   - आपके पास तकनीकी शोध की पृष्ठभूमि होना ज़रूरी नहीं है।
   - आपको पारंपरिक अकादमिक एब्स्ट्रैक्ट देने की ज़रूरत नहीं है, जिसमें प्राथमिक डेटा इकठ्ठा करना और विश्लेषण करना शामिल हो।
   - आपका पहले से प्रकाशित लेखक होना ज़रूरी नहीं है।

6. एब्स्ट्रैक्ट की लंबाई 500-700 शब्द होनी चाहिए, साथ ही 6-9 कीवर्ड्स (शोध को वर्णित करने वाले मुख्य शब्द), और एक स्पष्ट शीर्षक।

7. सभी एब्स्ट्रैक्ट लेखक का संक्षिप्त परिचय (नाम, प्रोनाउन, पेशा, शैक्षणिक योग्यता, आदि), और सोशल मीडिया/वेबसाइट लिंक (यदि हो) के साथ प्रस्तुत करें।

8. अंग्रेज़ी और हिंदी दोनों भाषाओं में एब्स्ट्रैक्ट स्वीकार किए जाएंगे। यदि आपका हिंदी एब्स्ट्रैक्ट चुना जाता है, तो आप हिन्दी में पोस्टर बना सकते हैं।

9. चुन गए पोस्टर प्रस्तुतकर्ताओं को MHI की ओर से पोस्टर निर्माण के लिए निर्देश दिए जाएंगे। उन पोस्टरों को MHI के द्वारा प्रिंट किया जाएगा और सम्मेलन के निश्चित स्थान पर प्रदर्शित किया जाएगा।

10. चुन गए पोस्टर प्रस्तुतकर्ताओं को आमंत्रित किया जाता है (हालांकि, अनिवार्य नहीं है) कि वह अपना काम सम्मेलन में प्रस्तुत करें। पोस्टर प्रस्तुतकर्ताओं को पंजीकरण के राशि जमा करना अनिवार्य नहीं है और उनके खानपान की व्यवस्था सम्मेलन स्थान पर की जाएगी। परंतु यात्रा एवं आवास की व्यवस्था प्रस्तुतकर्ताओं को अपनी तरफ से करनी होगी।

11. चयन समिति में मारीवाला हेल्थ इनिशिएटिव और के.सी. कॉलेज से अकादमिक व्यक्ति, विशेषज्ञ, शोधकर्ता और अनुभव के साथ जीने वाले लोग शामिल होंगे।

12. कृपया अपना पोस्टरों के एब्स्ट्रैक्ट इस गूगल फॉर्म के माध्यम से जमा करें।

**महत्वपूर्ण तिथियां:**

- एब्स्ट्रैक्ट जमा करने की अंतिम तारीख: **8 दिसंबर 2024, रात 11:59 IST**
- चयन का परिणाम: **27 दिसंबर 2024**

**स्थान:** के.सी. कॉलेज ऑडिटोरियम, चर्चगेट, मुंबई

**समय:** सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक, 7 और 8 फरवरी 2025

**आयोजकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया MHI की वेबसाइट पर जाएं।**